विघ्न विनाशक गणेश
जो हैं विघ्न विनाशक रिद्धि-सिद्धि दाता
विद्यापति, गौरी पुत्र कहलाए, शुद्ध बुद्धि विधाता
सबसे पहले पूजन होता जिनका, मिटाएँ सर्व कलेह-कलेश
वही हैं सबके प्यारे देव, शिव के परम
आज्ञाकारी पुत्र गणेश

1. उनकी समाने की शक्ति दर्शाये उनकी उदर विशाल
स्वदर्शन चक्र (स्वास्तिका) की धारणा हल करे भक्तो के सवाल
रहें सदा अनुशासित, संतुष्ट, न होने दें माया का प्रवेश
वही हैं सबके प्यारे देव, शिव के परम
आज्ञाकारी पुत्र गणेश
2. अक्षदंड एक हस्त में दर्शाये विघ्नों का किया विनाश
ईश्वरीय लगन की डोर से विकार्माजीत बन
फैलाया ज्ञान प्रकाश
मीठे बोल और प्रसन्न-संतुष्ट जीवन का सूचक मोदक विशेष
वही हैं सबके प्यारे देव, शिव के परम
आज्ञाकारी पुत्र गणेश
3. बने मायजीत, तभी तो मूषक की दिखाई

सवारी
आत्मा, परमात्मा, सृष्टि चक्र के ज्ञान से बने स्वर्ग राज्य अधिकारी
लक्ष्मी सम धन, सरस्वती सम दिव्य बुद्धि दाता, उत्सव आता हर वर्ष वही हैं
सबके प्यारे देव, शिव के परम आज्ञाकारी पुत्र गणेश